

ASIAN ARCHIVES

1.171

1012-1013

नृ श्री ३०२

॥ कुरु नमो भगवते प्रह्लादाय ॥ नमो भगवते प्रह्लादाय ॥ नमो भगवते प्रह्लादाय ॥
वैष्णवप्रयतिहासविह नमिस्म ॥ सुप्रसन्नमिदिवसुहायामिहगारिह
सदानसाधयश्चमातेरिह ॥ मरुतायवधि सत्यग (वनसाधन
सिन्नमैसेयसंवदूलाप्रदतयूया ॥ रुगवतयययोसनिह्या ॥ गप्र
खलरुगवानममूर्धसत्प्रभूकाहादिमानिप्रययदानि ॥ निधुनमि
स्म ॥ नमो भगवत नमो भगवत नमो भगवत नमो भगवत नमो भगवत
थागतायाह नमो भगवत नमो भगवत नमो भगवत नमो भगवत

आवासिकल्याय तथागतायायाह नमो भगवत नमो भगवत नमो भगवत
मप्रतिहासव्यदधी यतथागतायाह नमो भगवत नमो भगवत नमो भगवत
विमितप्रतिहासव्यदसीकिध्ववदय तथागतायाह नमो भगवत नमो भगवत
नमो भगवत नमो भगवत नमो भगवत नमो भगवत नमो भगवत नमो भगवत
ह नमो भगवत नमो भगवत नमो भगवत नमो भगवत नमो भगवत नमो भगवत
॥ तथागतायाह नमो भगवत नमो भगवत नमो भगवत नमो भगवत नमो भगवत
धीतिहासायतथायाह नमो भगवत नमो भगवत नमो भगवत नमो भगवत

[illegible][illegible]

कलस्या॥ नमरुगवर्तवका कलस्या॥ नमरुगवर्तवका कलस्या॥ नमरुग
वर्तमसिकलस्या॥ नमरुगवर्तनाक कलस्या॥ नमरुगवर्तकुमालकल
स्या॥ नमरुगवर्तदृष्टमयसिन॥ नमरुगवर्तनाका यतथागताया हंतस
म्यकवद्वया॥ नमरुगवर्तमसिता हायतथागताया हंतसम्यक
वद्वया॥ नमरुगवर्तमक्राया यतथागताया हंतसम्यकवद्वया॥ न
मरुगवर्तरेषअगुर्वेदयप्रुनाका यतथागताया हंतसम्यक
वद्वया॥ नमरुगवर्तवृष्टितस॥ लेद्वनाका यतथागताया हंतस

[illegible]

गुरु कल्पिनि विद्या बुद्धिनि ॥ सर्व काल मृत्पुमि वा नमि सर्व वं वन मा रुपा ॥
 । सर्व दृष्ट सत्त्व निवा नवी ॥ सर्व निगड रं ऊधी ॥ सर्व यक्ष नाक्ष सग्रह धा वि
 धं सन कत्री ॥ वरु नासि निना गुरु न विध्व सन कत्री ॥ अष्ट विंशति ती
 नक्षत्राणां प्रसादन कत्री ॥ अष्ट नाम महा गुरु न विध्व सन कत्री ॥ सर्व
 धा क्र निवा नसी धा वद द न्न प्र निवा नवी ॥ रुव पि सहा सु गि ड द काः
 ल नवी ॥ अथ नाजिता महा धा नाम महा वता महा धु महा दी फा म
 हा न जा महा ध्वता ४ काला यक्षु न वा सीली ॥ अथ ना नाह कृति वे व

५

दयाव क्रमा तति विभ्र ता ॥ यद्वा द्वव क्र विक्रा यमाला वे वा य नाजि
 ता ॥ वक्र दुधु विभ्र ता की ॥ अ ना वे द रु वृ जि ता ॥ साम्य न्या महा ध्वता
 महा न जा काला वे वा य नाजिता ॥ वरु सुख ला वे व व द की माला कु
 ल न्व नी ॥ वक्र रु सा व विद्या का अ न मालिका व सु म्हा न ला वे व वे वा व
 न कु ला श्री व विभ्र ता ॥ विभ्र रु मा ना व व द क न क य हा ला व ना व द
 दुधु व स ता व क म ला की गणी प्र हा धी व द ला व ना व द सु र्य प्र हा
 रं द ना तथा व द व ना नी य ॥ अष्ट रु म्हा म्हा म्हा म्हा म्हा सर्व सत्त्वाना

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ दधिगलप्रसूतारुणवतगतथागताध्यासि
तामयुगाः नामायनाजितामहाप्रहृष्टिना ॥ ॐ दूं दूं ऊरुनकनी
ॐ दूं दूं ऊरुनकनी ॥ ॐ दूं दूं मा रुनकनी ॥ ॐ दूं दूं महाविश्वस
रुदलकनी ॥ ॐ दूं दूं यत्रविश्वस रुनकनी ॥ ॐ दूं दूं सर्वसत्त्वाना
रुनकनी ॥ ॐ दूं दूं दूं सर्वयज्ञनाकस्य हनं विध्वंसनकनी
॥ ॐ दूं दूं दूं वहुयानितिग्रहाक्षविध्वंसनकनी ॥ ॐ दूं दूं दूं अ
ष्टविंशतिनीतानि कृपाक्षयसादनकनी ॥ ॐ दूं दूं दूं अष्टनाम

हस्ताविध्वंसनकनी ॥ ॐ दूं दूं दूं समसर्वसत्त्वानविनश्वरस्वाहा ॥ तथागताध्या
सितामयुगाः नामायनाजितामहाप्रहृष्टिना ॥ ॐ दूं दूं ऊरुनकनी
रुनकनी ॥ ॐ रुद्रकनी गटिकाप्रहृष्टिना दन वि रुवतमधुल ॐ रुद्र
रुवतुमसर्वसत्त्वानविनश्वरस्वाहा ॥ नाऊ रुयातु वील रुयातु ॥ अग्नि
रुयातु ॥ उदके रुयातु ॥ विष रुयातु ॥ मरु रुयातु ॥ यत्रयके रुयातु
॥ दहिक रुयातु ॥ अस्ति रुयातु ॥ असनि रुयातु ॥ अकानमृत् रुया
तु ॥ अरणीकम रुयातु ॥ नाऊ दधु रुयातु ॥ नागदधु रुयातु ॥ वि

यरुयातासूयतिरुयाम् ॥ वरुमगरुयाता ॥ दवग्रहात् ॥ अमृत्प्रहात्
 नौगग्रहात् ॥ मन्त्रग्रहात् ॥ मन्त्रग्रहात् ॥ धर्मग्रहात् ॥ किंनरग्र
 हात् ॥ मन्त्रालीनग्रहात् ॥ यज्ञग्रहात् ॥ नाकसग्रहात् ॥ रुद्रग्रहात् ॥ प्र
 तग्रहात् ॥ पिशाचग्रहात् ॥ किराशुग्रहात् ॥ पूतनग्रहात् ॥ कठपतन
 ग्रहात् ॥ स्कन्धनग्रहात् ॥ उन्मादनग्रहात् ॥ द्युयाग्रहात् ॥ अयह्यामग्रहा
 त् ॥ डागानकग्रहात् ॥ गकिनीग्रहात् ॥ नवतिग्रहात् ॥ यामिकीग्रहात्
 ॥ सङ्कानिग्रहात् ॥ मारुतदीग्रहात् ॥ आलवनग्रहात् ॥ वसिनीग्रहात्

॥ डागानकग्रहात् ॥ गकिनीग्रहात् ॥ नवतिग्रहात् ॥ यामिकीग्रहात्
 ॥ सङ्कानिग्रहात् ॥ मारुतदीग्रहात् ॥ आलवनग्रहात् ॥ वसिनीग्रहात्
 ॥ डागानकग्रहात् ॥ गकिनीग्रहात् ॥ नवतिग्रहात् ॥ यामिकीग्रहात्
 ॥ सङ्कानिग्रहात् ॥ मारुतदीग्रहात् ॥ आलवनग्रहात् ॥ वसिनीग्रहात्
 ॥ डागानकग्रहात् ॥ गकिनीग्रहात् ॥ नवतिग्रहात् ॥ यामिकीग्रहात्
 ॥ सङ्कानिग्रहात् ॥ मारुतदीग्रहात् ॥ आलवनग्रहात् ॥ वसिनीग्रहात्

आदिन्दयामिकीलयामिवकुक्षयनीतकककताविद्यादिन्दयामि
कीलयामिवकुक्षय॥शक्तताकिनीकताविद्यादिन्दयामिकिल
यामिवकुक्षय॥वृक्षककताविद्यादिन्दयामिकिलयामिवकुक्षय॥
नामाशक्तताविद्यादिन्दयामिकिलयामिवकुक्षय॥महाययुय
तिनृक्षकताविद्यादिन्दयामिकिलयामिवकुक्षय॥महाकालकता
विद्यादिन्दयामिकिलयामिवकुक्षय॥कमालेकताविद्यादिन्दया
मिकिलयामिवकुक्षय॥माहगलकताविद्यादिन्दयामिकिलया

१

करव

मिवकुक्षय॥कमालेकताविद्यादिन्दयामिकिलयामिवकुक्षय॥वृक्ष
रुमिलिकताविद्यादिन्दयामिकिलयामिवकुक्षय॥तत्त्वगनृक्षकता
विद्यादिन्दयामिकिलयामिवकुक्षय॥जयकनमधकनासर्वार्थसाध
नकताविद्यादिन्दयामिकिलयामिवकुक्षय॥रुमिलिकताविद्यादिन्दयामिकिलयामिवकुक्षय॥
४गलयमिसहितयकताविद्यादिन्दयामिकिलयामिवकुक्षय॥नृक्ष
प्रवक्षकताविद्यादिन्दयामिकिलयामिवकुक्षय॥मृदुलकताविद्यादि
न्दयामिकीलयामिवकुक्षय॥वितनागकताविद्यादिन्दयामिकिलय

[illegible][illegible]

सहादना ॥ अथाहना ॥ असथाहना ॥ अथनिकाहना ॥ अथवग्रहा
 नागग्रहा ॥ असनग्रहा ॥ सनग्रहा ॥ गभर्वग्रहा ॥ किन्नरग्रहा ॥
 महात्मग्रहा ॥ अरुग्रहा ॥ नाकग्रहा ॥ रुतग्रहा ॥ प्रतग्रहा ॥
 पिशाङ्गग्रहा ॥ ऊहाग्रहा ॥ सुतनग्रहा ॥ कटपूतनग्रहा ॥ स्केय
 ग्रहा ॥ उमादग्रहा ॥ कथाग्रहा ॥ अपस्यालयग्रहा ॥ उस्तलक
 ग्रहा ॥ अकिनिग्रहा ॥ नेवनिग्रहा ॥ यानकिग्रहा ॥ अकिनियग्र
 हा ॥ माहंनदिग्रहा ॥ अलवनग्रहा ॥ कटवासिनिग्रहा ॥ मम

११

सर्वसत्त्वानां शुक्रां कुर्वतु वर्यमपि यं सुप्रदातारं ॥ अनायका द्वेष्टीका
 ॥ उष्टीका ॥ अर्थीका ॥ सफाहि ॥ अइमासिका ॥ मासिका ॥ अइदेव
 सिका ॥ मद्रुफिका ॥ निरुद्धा ॥ विषमद्रुद्धा ॥ रुतद्रुद्धा ॥ वारिक
 द्रुद्धा ॥ देतिकद्रुद्धा ॥ अथाकेद्रुद्धा ॥ सतिपातकेद्रुद्धा ॥ सर्वद्रुद्धा ॥
 ॥ सित्राहि ॥ अशुविहदकं अनायकं ॥ अकिनागं ॥ मयनागं ॥ कष्टना
 गं ॥ रुदयनागं ॥ गलनागं ॥ कष्टुगुलं ॥ दक्तगुलं ॥ रुदगुलं ॥ मन्म
 लं ॥ यार्गुलं ॥ उदलगुलं ॥ कटिगुलं ॥ वस्तिगुलं ॥ डनगुलं ॥ ऊवागु

लो॥ दक्षगुला॥ पादगुला॥ अंगप्रत्यंगगुला॥ सर्वगुला॥ वायनयादि॥ रुतय
 नजाकिनिहल॥ दक्षकेयुकिटिरुक्कपिटकलुगायातावेमव्यासाद
 लिगं ॥ ४४ ॥ घत्वा सत्तासगनविषं धामग्निसूदकसा नमालिर्वेनकाका
 न भुक्तात्तमव्यपी कर्क उल्लाटकं वृष्टिकं सूर्यसंकलमकिंकसिद्ध
 व्यायुवृष्टिकं नृकुमारकं नयकचिक्रीविनायकालिधर्म॥ प्रनयसिर्व
 षासिर्वप्रहृष्टमिपनयं उरुगवतसितातपुष्टमहाशूष्यप्रहृष्टनिनवि
 द्यावाकानूहावनः॥ यावद्वाधदथाकृतात्यतप्रधविद्यावर्धकलमित

[illegible]

सिरुविद्युक्तिः॥ याधियवान्ननश्चिकानीविद्युत्तयापारुविद्युक्तिः॥ सर्वकमा
 वन्नानिनिन्नवसमयविक्रयंगवृत्तिः॥ यः कश्चित्कृत्यपूजावाकलद
 हितावासाहप्रमयपूजायाः॥ ॐ मां तथा गताप्रायसि तातयतानामयवा
 जितायहनिवाविद्यानास्तीक्ष्णप्रयमानः॥ यः प्राथियुक्तप्रकिल्लतः॥ ॐ
 यः यथावत्तवप्रकिल्लतः॥ ॐ तच्चत्वासुखावत्यालोककुरुउद्यः
 यद्यने॥ यः कश्चित्मनूयामासे॥ ॐ मालसमालसर्व॥ ॐ ह्यपदवायस
 त्तमपायासोयन्नवकागमनयुवकस्यरुगवत्तथागताप्रीयसितात

यद्यनिमायवाजियहनिवाविद्यानास्तीक्ष्णजापवनाययिन्नामहतास
 कालेनमहतीयजाकृत्वासर्वनगनदानयप्रवर्गधत्॥ ॐ मन्तवानि
 गमवा ऊनयदवविर्हवावागुरुवा मूत्रधायतमवा॥ सुदप्रवर्गीत
 मावृत्तद॥ ॐ ॥ किं कृताहविद्युक्तिः॥ सर्व॥ ॐ ह्यपदवायस॥ ॐ याः
 यासायन्नवकाहीवयसमयीयुक्तिः॥ यस्मिन्विद्ययः॥ ॐ तथागता
 श्रीयसितातयजानामायवाजितायहनिवामहाविद्यानास्तीक्ष्णवनी
 युक्तिः॥ ॐ नययुक्ती॥ दावयि युक्तिः॥ महा॥ ॐ नवगतस्मिन्विद्ययः

कालेन कालेन दवावर्ष भवा मोक्ष कमाय स्यात् ॥ नागनाडाग स्यात्
 लेन कालेन दवावर्ष भवा मोक्ष कमाय स्यात् ॥ कालेन कालेन दवावर्ष भवा मोक्ष कमाय स्यात् ॥
 लस स्यात् ॥ रु वि स्यात् ॥ का कालेन कालेन मोक्ष कमाय स्यात् ॥
 ति ॥ तथैव ॥ अनागनागनाडा ॥ वासुकिनागनाडा ॥ तक्रकतीर्ष
 नाडा ॥ कर्कशकनागनाडा ॥ मदनागनाडा ॥ महायधनागनाडा ॥
 ना ॥ शिखिनागनाडा ॥ कलिका नागनाडा ॥ अनामनागनाडा ॥
 ॥ अवसनागनाडा ॥ कालेन कालेन दवावर्ष भवा मोक्ष कमाय स्यात्

१७

॥ कालेन कालेन दवावर्ष भवा मोक्ष कमाय स्यात् ॥ वधूनि कमाय स्यात् ॥ पुत्रपुत्रा नाडा वासि
 ता तय ग्रामुद्रा मध्वावर्ष भवा मोक्ष कमाय स्यात् ॥ तमा नक्षत्रा य ॥ तथैव ॥
 सुं सुं मले २ न गाय स्यात् ॥ अस्या अस्थि मय मय वा ॥ मनुष्यामा
 ले ॥ गामा नय पुमान् वा विविक्ता मदि सिखित्वा क ॥ ४ वधि तया ॥ ४
 र्वा सर्व सिद्धि ॥ सर्वना ॥ गाय दवा ॥ एव डय स्यात् ॥ सुं सुं सुं सुं
 मम सर्व स्यात् ॥ ना वन का कु न स्यात् ॥ सुं वदवा लिदै ॥ सुं सुं सुं सुं
 ॥ गता श्री व अवला किन सुपित का वासि ॥ सुं सुं सुं सुं सुं सुं सुं सुं

[illegible]

ASHA ANCHIVES

1417

1417

14